विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -सप्तम दिनांक -04-06-2020

विषय -हिन्दी (व्याकरण) शिक्षक -पंकज सर

सुप्रभात बच्चों आप सब समास के बारे में अध्ययन करेंगे।

द्वन्द्व समास

जिस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और', अथवा, 'या', एवं लगता है, वह द्वंद्व समास कहलाता है। जैसे-

समस्त पद	समास-विग्रह	समस्त पद	समास-विग्रह
पाप-पुण्य	पाप और पुण्य	अन्न-जल	अन्न और जल
सीता-राम	सीता और राम	खरा-खोटा	खरा और खोटा
ऊँच-नीच	ऊँच और नीच	राधा-कृष्ण	राधा और कृष्ण

बहुव्रीहि समास

जिस समास के दोनों पद अप्रधान हों और समस्तपद के अर्थ के अतिरिक्त कोई सांकेतिक अर्थ प्रधान हो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। जैसे –

समस्त पद	समास-विग्रह
दशानन	दश है आनन (मुख) जिसके अर्थात् रावण
नीलकंठ	नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव
सुलोचना	सुंदर है लोचन जिसके अर्थात् मेघनाद की पत्नी
पीतांबर	पीला है अम्बर (वस्त्र) जिसका अर्थात् श्रीकृष्ण
लंबोदर	लंबा है उदर (पेट) जिसका अर्थात् गणेशजी
दुरात्मा	बुरी आत्मा वाला (दुष्ट)
श्वेतांबर	श्वेत है जिसके अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती जी

गृहकार्य

(क) समास किसे कहते है?

(ख) समास के कितने भेद होते है?

(ग) अव्ययीभाव समास किसे कहते है?

(घ) बहुव्रीहि समास किसे कहते है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए?